Title: Regarding proper medical treatment of paitents in AIIMS, New Delhi.

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में हजारों की संख्या में मरीज बगैर इलाज के पड़े हैं। गर्मी का मौसम है और ऐसे समय में एक महीने के लिए कुछ डाक्टर छुट्टी पर चले जाते हैं।

जब 1956 में "एम्स" बना था, उस समय इसका मकसद सिर्फ रिसर्च का था, लेकिन आज यहां सबसे अधिक मरीजों का दबाव रहता है। वहां छोटे-मोटे 25 वाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) है। यहां रोज 6500 से लेकर 10,000 तक मरीज देखे जाते हैं। आज हालत यह है कि यहां जो हम लोकसभा के सदस्य रहते हैं, हमारे पास भी बहुत से लोग आते हैं और कहते हैं कि हमें "एम्स" में भर्ती करा दीजिए। अधिकांश लोगों के पास "एम्स" में भर्ती कराए जाने की सिफारिशें आती हैं। महोदय, आज सबसे बड़ी आवश्यकता इस बात की है कि इसका विस्तार किया जाए, क्योंकि वहां पांच-पांच, छ:-छ: महीने लोगों को बैड नहीं मिलता - चाहे कितना भी सीरियस मरीज हो। ऑर्थोपेडिक्स में हालत यह है कि चार से लेकर छ: साल तक मरीज को बैड नसीब नहीं होता।

कुछ मामले ऐसे हैं कि मरीज मर जाता है लेकिन उसे पलंग नहीं मिलता है। अध्यक्ष जी, मैं निवेदन करना चाहता हूं कि गर्मी की छुट्टियां हैं और बच्चों की भी छुट्टियां हैं, इसलिए लोग सोचते हैं कि इस समय वहां जाकर इलाज करा लेंगे। हजारों की संख्या में वहां मरीज पड़े हुए हैं लेकिन उनके उपचार की कोई व्यवस्था नहीं है। डाक्टर्स छुट्टी पर हैं और यह जो छुट्टी का ढर्रा है, जब से एम्स बना है तब से यह चल रहा है। इसलिए इस ढर्रे में परिवर्तन करने की आवश्यकता है। मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि आप स्वास्थ्य मंत्री जी को निर्देश दें कि वहां हजारों की संख्या में जो मरीज पड़े हुए हैं, उनका इलाज नहीं हो रहा है और वहां कोई भी अप्रिय घटना हो सकती है।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : हमारे पटना से भी लोग वहां आते हैं लेकिन कोई इलाज नहीं होता है। सरकार में दो-तीन लोग तो हमारे यहां के ही हैं।

श्री रामजीलाल सुमन : माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी यहां नहीं हैं। मैं आपके निवेदन करुंगा कि आप स्वास्थ्य मंत्री जी को निर्देश दें जिससे वहां की व्यवस्था को दुरुस्त किया जा सके। वहां पांच-पांच, दस-दस दिन से हजारों की संख्या में मरीज ओपीडी में पड़े हुए हैं लेकिन उनका उपचार नहीं हो रहा है।